MHRD
Govt. of India
सत्यमेव जयते

NATIONAL INTERDISCIPLINARY SEMINAR

ON

गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं की वैश्विक प्रासंगिकता

for

Faculty and Ph.D. Research Scholars

(24 October, 2019)

Organized By:

FACULTY DEVELOPMENT CENTRE

Guru Nanak Dev University, Amritsar

(Under Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT), Department of Higher Education, MHRD, Govt. of India)

NATIONAL INTERDISCIPLINARY SEMINAR ON

गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं की वैश्विक प्रासंगिकता

24 अक्तूबर, 2019

(For Faculty and Ph.D. Research Scholars)
Guru Nanak Dev University, Amritsar

प्रो. (डॉ.) जसपाल सिंह सन्धु

कुलपति

प्रो. (डॉ.) अदर्शपाल विग

परियोजना संयोजक (एफ.डी.सी.)

प्रो. (डॉ.) सुधा जितेन्द्र

कार्यक्रम संयोजिका

Venue: New FDC-HRDC Building Guru Nanak Dev University, Amritsar

आयोजक
संकाय विकास केन्द्र
पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन
(उच्चतर शिक्षा विभाग, एम.एच.आर.डी., भारत सरकार)

संगोष्ठी : गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं की वैश्विक प्रासंगिकता

भारत वर्ष के महापुरुषों, महानपुरुषों और धर्म–संस्थापकों में श्री गुरु नानक देव जी का महत्त्वपूर्ण स्थान है। युगपुरुष गुरु नानक देव जी ने अपनी मौलिक प्रखर प्रतिभा से तत्कालीन समाज की कुरीतियों, मिथ्याड़म्बरों और बाह्यचारों का निडरता से विरोध ही नहीं किया बल्कि एक नए धर्म और समाज की नींव भी रखी। उन्होंने अपने व्यक्तित्व और वाणी विवेक, ज्ञान, भक्ति, निष्काम कर्मयोग और समर्पण के साथ–साथ संयम, सदाचार, भ्रातृभाव और मानव एकता के विश्वजनीन संदेश को जन–जन तक पहुँचाया। उनके उदार, व्यापक और कल्याणकारी संदेश की परिसीमा क्षेत्र विशेष न होकर राष्ट्र से आगे निकल कर विश्वव्यापी थी। मध्ययुगीन संत कवियों में भी गुरु नानक देव जी का स्थान अपने मौलिक चिंतन, क्रांतिकारी धर्म–सुधारक, महान–राष्ट्रभक्त और परदुःखकातरता के कारण ही विलक्षण एवं अप्रतिम है। सत्य धर्म प्रचारार्थ, गुरु साहिब ने देश–देशान्तर की भ्रमण–यात्राएँ की और विश्व में व्याप्त अज्ञानता के तम को दूर किया। पंजाबी और हिन्दी दोनों भाषाओं के प्रखर विद्वान होने के साथ–साथ संस्कृत और फारसी भाषाओं के ज्ञान ने भी जहाँ उन्हें अन्य धर्मों एवं समाजों को समझने का अवसर दिया वहीं उनकी वाणी को सर्वव्यापी बना दिया क्योंकि इन भाषाओं के ज्ञान को आत्मसात कर उन्होंने वाणी की रचना-लोकभाषा में की जो उनके संदेश की सर्वस्वीकार्यता का आधार बनी। गुरु साहब ने एक निर्भीक लोकनायक की भांति गृहस्थ जीवन को महत्त्व देते हुए जाति–पाति, ऊँच–नीच की पक्की दीवारों को अपने फौलादी इरादों से न केवल तोड़ा बल्कि नारी गरिमा की प्रतिष्ठा की, भारतवासियों को अपने खोए समाज–सांस्कृतिक स्वाभिमान के प्रति सचेत किया और जनसाधारण की तकलीफों को वाणी दी। उन्होंने भक्ति को एक नया धरातल प्रदान किया तथा इसे सर्वसुलभ बनाया।

उनका संपूर्ण जीवन एक ऐसा रोशन मीनार है जिससे संसार रहनुमाई प्राप्त कर सकता है। उन्होंने अप्रतिम मानवतावादी दृष्टिकोण का परिचय देते हुए ही 'किरत करो, वंड छको, नाम जपो' का संदेश दिया। उनके द्वारा विश्व–भ्रातृत्व भाव की जागृति हेतु ही 'संगत' और 'पंगत' की प्रथा का सुत्रपात हुआ–मानवता का ऐसा कोई दूसरा उदाहरण उपलब्ध नहीं है।

आज जब पूरा विश्व वैर–वैमनस्य, हिंसा, द्वेष, अत्याचार, अतिवाद, अनाचार, मिथ्याचार, असत्यवाद, अहंकार, जातिवाद, सांप्रदायिकतावाद तथा मदांध धर्मान्ध शक्तियों से घिर गया है तब पहली पातशाही सद्गुरु श्री गुरु नानक देव जी के बहुमुखी और असाधारण जीवन और उनकी अनमोल शिक्षाओं की अनिवार्यता और भी अर्थपूर्ण एवं प्रासंगिक हो गई है।
प्रस्तुत संगोष्ठी की यही संकल्पना है।

प्रो. (डॉ.) सुधा जितेन्द्र
कार्यक्रम संयोजिका
अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग
डीन, भाषा–संकाय
गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
मो. 98148–51010
ई–मेल : drsudhagndu@yahoo.co.in

ABOUT THE UNIVERSITY

Guru Nanak Dev University was established in Amritsar on November 24, 1969 to mark the 500th birth anniversary of Sri Guru Nanak Dev Ji. Ever since its inception, the University is striving to become an Institution of excellence in academics, research, sports, and cultural activities. For its relentless efforts in this direction, it has been conferred the status of "University with Potential for Excellence" by UGC and accredited with "A++" grade (highest level as per modified criteria) by NAAC. It has also been granted "Category One" status, the only University to earn this elite status in the region of Punjab and Chandigarh. Recent survey of 'India Today' has ranked the University at 16th place in the top 50 universities of the country. Continuous efforts to make it "Zero Waste Campus" has earned it the status of the second most cleanest higher educational institutions in the country in the category of Government Universities by the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. The University is successfully providing conducive environment to grow and prosper in studies to twenty thousand students in various faculties at the University Campuses and Constituent Colleges. In addition to the green campus, excellent architecture, state-of-the-art infrastructure in well-equipped laboratories, contemporary workrooms for research and teaching, the students are provided with the facility of online admissions, online counselling for State level admissions and online fee payments. A well-developed placement cell assures employment security to its students. International and national institutional collaborations for courses, research projects and conferences make its students highly competent. The University also engages the students in a variety of sports, cultural and extracurricular activities.

FACULTY DEVELOPMENT CENTRE

Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT), an initiative of Ministry of Human Resource Development, Government of India, is envisaged to address comprehensively all issues related to teachers, teaching, teacher preparation and professional development. Under this scheme, Faculty Development Centres (FDCs) have been established to create and strengthen the institutional mechanisms at the center and in the states for augmenting training and discipline wise capacity building of faculty. The FDCs are expected to inculcate among teachers the motivations to promote institutional effectiveness through the development of personal, instructional, organizational and professional growth of faculty.

As per the notification of the UGC, all short term and long term capacity building programmes for faculty/teachers in different pedagogic and discipline specific areas being conducted by Faculty Development Centres under PMMMNMTT Scheme shall be considered for fulfilment of the requirements as laid down in Career Advancement Scheme.

HOSPITALITY

For faculty of University/Colleges/Institutes and Research Scholars of any Disciplines.

Venue: FDC, New HRDC Building, Near Sadda Pind, Amritsar.

Important Information

- Online registration at http://www.hrdc.gndu.org/
- No delegation fee
- Boarding lodging to be provided by FDC in University Guest House/Hostels as per availability.

Contacts and Queries

Office of Project Coordinator (FDC)
Email: hrdcgndu@gmail.com
Call: 9876111240 and 8146482700 (9:00am to 5:00pm)